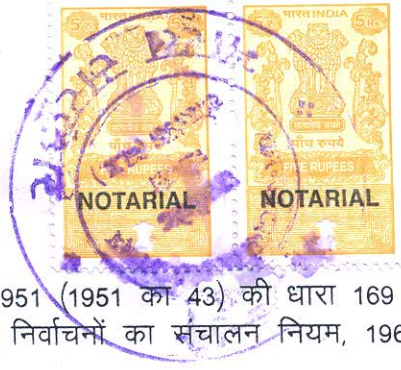


उपाबंध-X

(अध्याय 5, पैरा 5.13)
विधि और न्याय मंत्रालय
(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त 2012



का.आ 1732 (अ) -केन्द्रीय सरकार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 169 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निर्वाचन आयोग से परामर्श करने के पश्चात निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 का और संशोधन करने के निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निर्वाचनों का संचालन (संशोधन) नियम, 2012 है.
(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे.
- निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के प्रारूप 26 और उससे संबंधित प्रविष्टियों को स्थान पर निम्नलिखित प्रारूप और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :-

“प्रारूप 26”
(नियम 4क देखिए)



27 कोसाम निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

मध्य प्रदेश विधानसभा (सदन का नाम) के लिये निर्वाचन के लिये रिटनिंग ऑफिसर के

समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

भाग क

मैं मनोज कुमार **पुत्र/पुत्री/पत्नी शमदार आयु 34 वर्ष, जो ग्राम बफोल्ड सड तह. भरवा जिला (छिपरी प्र.प्र.) (डांक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूं, सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/करती हूं शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/करती हूं :-

(1) मैं निर्दलीय (*राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूं।

(*जो लागू न हो उसे काट दें)

- (2) मेरा नाम 23 (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में
संख्या 126 के क्रम सं. स 5 04 पर प्रविष्टि है।
- (3) मेरा सम्पर्क टेलीफोन नंबर 9617423830 है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो) है।

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

क्रम संख्या	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिये अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपये में)
1	स्वयं	पैन आई.नं. CMXPM7903B	निक	निक
2	पति या पत्नी	निक	निक	निक
3	आश्रित-1	निक	निक	निक
4	आश्रित-2	निक	निक	निक
5	आश्रित -3	निक	निक	निक

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किरे गये हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :-

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिये न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किये गये हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	निक
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारायें) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये आरोपित किया गया है।	निक
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख।	निक
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई।	निक
(ङ)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गये थे	निक
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं।	निक

[Handwritten Signature]

(6) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है (पूर्वोक्त मद वर्णित मामलों से भिन्न) :-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख।	निरक
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारायें) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये संज्ञान लिया गया है।	निरक
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिये फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हों) के ब्यौरे	निरक

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिये सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष से अधिक के लिये कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया है :

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप से सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है:

(क)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारायें) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये संज्ञान लिया गया है।	निरक
(ख)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश (आदेश)की तारीख।	निरक
(ग)	अधिरोपित दंड	निरक
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और बर्तमान प्रास्थिति।	निरक

(7) मैं, मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगल और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं :-

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1- संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुये संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना

है।



